

डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन, मसीह का उद्धार कार्य, सत्र 9, मसीह के 3 कार्यालय, भाग 3, और मसीह की नौ उद्धार घटनाएँ, भाग 1

© 2024 रॉबर्ट पीटरसन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. रॉबर्ट पीटरसन द्वारा मसीह के उद्धार कार्यों पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र 9 है, मसीह के तीन पद, भाग 3, तथा मसीह की 9 उद्धार घटनाएँ, भाग 1।

जैसा कि हम मसीह के तीन प्रकार के पद, या दूसरे शब्दों में कहें तो, भविष्यद्वक्ता, याजक, तथा राजा के उनके तीन पदों के बारे में अपने अध्ययन को समाप्त करते हैं, मैं चाहूँगा कि हम इब्रानियों 1 की ओर मुड़ें, जो इस संबंध में मेरे द्वारा ज्ञात सबसे अच्छी जगह है, क्योंकि यह तीनों पदों को एक ही अद्भुत मार्ग में जोड़ता है।

लेकिन ऐसा करने से पहले, कृपया मेरे साथ प्रार्थना करें। दयालु पिता, हमें अपना पवित्र वचन देने के लिए हम आपका धन्यवाद करते हैं। अपने बेटे को हमारा उद्धारकर्ता और हमारा प्रभु बनने के लिए भेजने के लिए हम आपका धन्यवाद करते हैं। हम प्रार्थना करते हैं कि आप हमें अपनी आत्मा से आशीर्वाद दें, ताकि हम समझें और विश्वास करें और आपकी सद्भावना पर चलें, हम प्रार्थना करते हैं, हमारे प्रभु यीशु मसीह के माध्यम से। आमीन।

इब्रानियों 1 वास्तव में 2:4 पर समाप्त होना चाहिए। यह एक महान अध्याय विभाजन नहीं है।

2:1 से 4 इब्रानियों अध्याय 1 का अनुप्रयोग है। अध्याय 1 मुख्य रूप से यीशु के शाही पद के बारे में है, उसका परमेश्वर के दाहिने हाथ पर राजा के रूप में बैठना, स्वर्गीय सेना द्वारा उसका स्वागत करना और उसे जी उठे, विजयी, स्वर्गारोहित, और फिर प्रभु के रूप में बैठाना। लेकिन यह भविष्यवाणी के पद से शुरू होता है। बहुत पहले, कई बार, और कई तरीकों से, परमेश्वर ने हमारे पूर्वजों से भविष्यवक्ताओं के माध्यम से बात की थी, लेकिन इन अंतिम दिनों में, उसने अपने पुत्र के माध्यम से हमसे बात की है।

यह पुराने और नए नियम के प्रकाशन के बीच का अंतर है, और इसमें कई अंतर हैं। बहुत पहले, इन अंतिम दिनों के विपरीत, परमेश्वर ने हमारे पूर्वजों से बात की, उसने भविष्यद्वक्ताओं के माध्यम से हमसे बात की है, उसने बहुत पहले पूर्वजों से बात की थी, लेकिन इन अंतिम दिनों में, उसने अपने पुत्र के माध्यम से बात की है। और शायद इसी तरह, कई बार और कई तरीकों से, और अपने पुत्र के माध्यम से दोहरा काम करता है, यानी, नए नियम का प्रकाशन पुत्र, पुत्र-प्रकाशन, पुत्र है।

तो, यह दर्शाता है कि मसीह महान और अंतिम पैगम्बर हैं। एक मिनट रुकिए, आप कहते हैं, अन्य पैगम्बर भी होंगे। यीशु के बाद अन्य पैगम्बर भी हैं।

उदाहरण के लिए, नया नियम पौलुस के पत्रों में नए नियम के प्रेरितों और नए नियम के भविष्यवक्ताओं के बारे में बताता है। यह सच है, लेकिन वे यीशु के प्रतिनिधि हैं। वे उसकी सेवाई हैं जो उसके द्वारा अपने प्रेरितों और नए नियम के भविष्यवक्ताओं को आत्मा देने के माध्यम से विस्तारित की गई है।

पुत्र के द्वारा हमसे बात की है।

दोनों नियमों में परमेश्वर बोलने वाला परमेश्वर है। उसने खुद को शब्दों में, बेशक, कर्मों में भी प्रकट करना उचित समझा है, लेकिन यहाँ शब्दों पर जोर दिया गया है। कुछ लोग भविष्यद्वक्ताओं को देखकर आश्चर्यचकित हो जाते हैं, और फिर जैसे-जैसे मार्ग आगे बढ़ता है, मसीह और स्वर्गदूतों के बीच बड़ा अंतर आता है, और सवाल उठता है कि भविष्यद्वक्ताओं और स्वर्गदूतों में क्या समानता है? इब्रानियों के लेखक का क्या मतलब है? इसका उत्तर यह है कि वे दोनों पुराने नियम के रहस्योद्घाटन के मध्यस्थ हैं।

इसलिए, वह दिखा रहा है कि मसीह एक सर्वोच्च प्रकटकर्ता है। इससे पहले कि मैं भूल जाऊँ, ठीक इसी बात को ध्यान में रखते हुए, पुराने नियम में, परमेश्वर ने खुद को प्रकट करने के लिए भविष्यद्वक्ताओं और स्वर्गदूतों का इस्तेमाल किया। उदाहरण के लिए, स्वर्गदूत, कानून में इसके केवल संकेत हैं, लेकिन प्रेरितों के काम 7 में दो बार और गलातियों 3 में एक बार, पॉल कहते हैं कि मूसा को कानून एक मध्यस्थ, मूसा के हाथों, स्वर्गदूतों के साथ, स्वर्गदूतों के माध्यम से दिया गया था।

यहूदी परंपरा भी यही कहती है, जो पहाड़ पर मौजूद असंख्य लोगों के कानून के संदर्भों पर आधारित है। इसलिए, इस संबंध में, अध्याय 1 के 2 और 4 अनुप्रयोग हैं। अध्याय 1 यह सिद्धांत देता है कि पुत्र पुराने नियम के मध्यस्थों से श्रेष्ठ है, और फिर 2 और 4 कहते हैं, इसलिए, हमें जो कुछ भी सुना है, उस पर अधिक ध्यान देना चाहिए, कहीं हम उससे दूर न हो जाएं। इब्रानियों के प्रसिद्ध चेतावनी अंशों में से पहला।

क्योंकि स्वर्गदूतों द्वारा घोषित संदेश, जो कि पुराने नियम के रहस्योद्घाटन का सार है, विश्वसनीय साबित हुआ, और हर अपराध या अवज्ञा का उचित दंड मिला, तो हम कैसे बच सकते हैं? यदि हम ऐसे महान उद्धार की उपेक्षा करते हैं, तो इसे सबसे पहले घोषित किया गया था, इसे सबसे पहले प्रभु द्वारा घोषित किया गया था, जिसका सीधा अर्थ है यीशु, और इसे सुनने वालों द्वारा हमारे लिए प्रमाणित किया गया था, जबकि परमेश्वर ने भी चिह्नों और चमत्कारों और विभिन्न चमत्कारों और अपनी इच्छा के अनुसार वितरित पवित्र आत्मा के उपहारों के द्वारा गवाही दी थी। इसलिए, अध्याय 1 में, यीशु पुराने नियम के रहस्योद्घाटन के मध्यस्थों से श्रेष्ठ है। वह परमेश्वर का महान प्रकटकर्ता है।

वह महान भविष्यवक्ता है। 2 और 4. इसलिए, भले ही कानून महत्वपूर्ण और रहस्योद्घाटन करने वाला और बहुत गंभीर था, लेकिन मसीह और उसके प्रेरितों द्वारा लाया गया सुसमाचार कितना अधिक गंभीर है? यह विचार का प्रवाह है, और उस विचार के प्रवाह के भीतर, हम पहले दो छंदों

में मसीह के भविष्यवक्ता पद को देखते हैं। उनके पद का केवल एक उल्लेख है, जो वास्तव में हिब्रू अध्याय 7, वास्तव में 7 से 10 तक खुलता है, लेकिन वह उल्लेख आश्चर्यजनक है।

यह कहने के बाद कि इन अंतिम दिनों में परमेश्वर ने अपने पुत्र के द्वारा हमसे बात की है, जिसे उसने सभी चीजों का वारिस नियुक्त किया है। मसीह अंत है। अंत में सब कुछ उसके पास जाएगा।

जिसके द्वारा उसने संसार की रचना की। पुत्र ही शुरुआत है। वह सृष्टि में पिता का प्रतिनिधि है, जैसा कि यूहन्ना 1 और कुलुस्सियों 1 में बताया गया है। पुत्र परमेश्वर की महिमा की चमक और उसके स्वभाव की सटीक छाप है, और वह अपनी शक्ति के वचन से ब्रह्मांड को बनाए रखता है।

पापों के लिए शुद्धिकरण करने के बाद, वह ऊँचे स्थान पर महामहिम के दाहिने हाथ पर बैठ गया। पद 3 के मध्य में पुरोहिती पद है, लेकिन मैं इन दो सुंदर अभिव्यक्तियों पर टिप्पणी करना चाहता हूँ। पुत्र परमेश्वर की महिमा की चमक और उसके स्वभाव की सटीक छाप है।

ये दो रूपक हैं: पहला सूर्य और उसकी किरणों से लिया गया है, दूसरा सिक्कों की ढलाई से लिया गया है, और पहली सदी के सिक्कों की ढलाई से लिया गया है। इनमें से प्रत्येक रूपक तीन बातें बताता है, जिनमें से सबसे महत्वपूर्ण यह है कि पुत्र, ईश्वर का पुत्र, ईश्वर का प्रकटकर्ता है। आकाश में सूर्य को ईश्वर की महिमा के रूप में कहा जाता है, और मसीह, ईश्वर के पुत्र, ईश्वर के पुत्र को सूर्य की चमक, या ईश्वर की महिमा कहा जाता है।

अब, चमक वही है: क्या सूर्य, सूर्य, अंतरिक्ष में फैला हुआ है? यह सूर्य ही है जो प्रकट हुआ है। फादर्स और निकिया, निकिया की परिषद की भाषा का उपयोग करने के लिए, यह एक ही पदार्थ है, यह एक ही प्रकृति का है। यह आकाश में सूर्य का एक होमोओसियोस, होमोओसियन है।

इसका मतलब है कि यह चमक सूर्य की किरणों से निकली हुई है। मसीह को चमक या तेज कहा जाता है, एक ऐसा शब्द जिसका हम अब इस्तेमाल नहीं करते, उस सूर्य की चमक। तो, नंबर एक, सूर्य और किरण के बीच, पिता और पुत्र के बीच, ईश्वर और ईश्वर के पुत्र के बीच समानता।

नंबर दो, यह चमक अपने आप में सूर्य नहीं है, यह सूर्य का प्रकट रूप है। इसलिए, दोनों के बीच एक अंतर है। लेकिन मुख्य रूप से संदर्भ में, हम महान सूर्य के बारे में सीखते हैं, और यहां तक कि प्राचीन लोग भी समझते थे कि आप इसे घूर नहीं सकते, आप अपनी आंखों को चोट पहुंचाएंगे, है न? छंद 1 और 2 के संदर्भ में, हमारे पास आने वाली किरणों से, और पुराने और पुराने नियम के मध्यस्थों, बहुवचन, और रहस्योद्घाटन के महान नए नियम के मध्यस्थ, एकवचन, मसीह के बीच के अंतर से, यह छवि, ईश्वर की अदृश्य महिमा की चमक, सूर्य को ईश्वर के प्रकटकर्ता के रूप में प्रस्तुत करती है।

ईश्वर के बराबर, ईश्वर से अलग, लेकिन संदर्भ में मुख्य विचार ईश्वर का प्रकटकर्ता है। इस रूपक के साथ भी ऐसा ही है। वह ईश्वर के धर्मत्याग, प्रकृति, सार और आवश्यक अस्तित्व की सटीक छाप है।

यह सिक्कों की ढलाई से है, और हम इसे शब्द से सटीक छाप के रूप में जानते हैं। प्राचीन लोग एक नरम धातु लेते थे, उसे हम जिसे डाई कहते हैं, उसमें डालते थे, हथौड़े से पीटते थे, और उससे एक सिक्का बनता था। इस छवि में भी वही तीन सिद्धांत बताए गए हैं।

इसलिए, इब्रानियों के लेखकों ने समान सत्य पर जोर देने के लिए रूपक को अलग-अलग किया। सिक्का पासे जैसा ही है। आपको एक दीनार के पासे से एक दीनार का सिक्का मिलता है।

आपको और कुछ नहीं मिलता, है न? लेकिन फिर भी, वे अलग-अलग हैं। यह पासा नहीं है। यह पासे का उत्पाद है।

यह सिक्का है। यह सिक्का है जो पासे से आता है। लेकिन फिर से, इस संदर्भ में, मुख्य विचार रहस्योद्घाटन है।

पासा, सिक्के पर पासे की छवि अंकित होती है। वास्तव में, प्रभु यीशु मसीह, देहधारी परमेश्वर, परमेश्वर के स्वभाव की सटीक छाप है। ऐसा परमेश्वर के अलावा किसी और के बारे में नहीं कहा जा सकता।

हम ईश्वर की छवि में बनाए गए हैं। हम उनकी प्रकृति की सटीक छाप नहीं हैं। अगर यह हमारे बारे में सच होता, तो हम ईश्वर होते, लेकिन हम नहीं हैं।

बाइबिल के पहले अध्याय से बाइबिल के रहस्योद्घाटन का मूल आधार निर्माता-सृजन का भेद है। अब, मसीह इस विभाजन को पार कर जाता है, क्योंकि वह निर्माता है। वह यूहन्ना 1, कुलुस्सियों 1, यहाँ इब्रानियों 1 में सृष्टि में पिता का प्रतिनिधि है, और अवतार में, वह एक प्राणी बन जाता है।

तो, वह सृष्टिकर्ता-सृजनकर्ता, ईश्वर-मनुष्य है। तो यहाँ पहले तीन श्लोकों के माध्यम से मुख्य विचार यह है कि पुत्र महान भविष्यवक्ता है, ईश्वर का महान प्रकटकर्ता है, पिता के बराबर है, उससे अलग है, लेकिन उसे दुनिया के सामने प्रकट करता है। सालों तक, मैंने एक सेमिनरी के शाम के स्कूल में पढ़ाया जहाँ मैंने अंग्रेजी बाइबिल की कक्षाएँ पढ़ाईं।

एमए के छात्रों को अंग्रेजी बाइबिल कक्षाओं की आवश्यकता थी। मुझे मूल भाषाओं, विशेष रूप से न्यू टेस्टामेंट ग्रीक का उपयोग करके धर्मशास्त्र पढ़ाने में खुशी हुई, लेकिन ये अंग्रेजी बाइबिल पाठ्यक्रम थे, और मैंने रोमनों को पढ़ाया, मैंने जॉन, रोमनों, इब्रानियों और 1 और 2 पतरस के सुसमाचार को बार-बार पढ़ाया। मैंने उन्हें इसलिए चुना क्योंकि वे धर्मशास्त्र की दृष्टि से बहुत समृद्ध हैं, और मुझे उन पुस्तकों के संदर्भ को बहुत अच्छी तरह से जानने का मौका मिला।

मैं एक नए विश्वासी के रूप में पढ़ाना शुरू करने से पहले ही बाइबल में विश्वास करता था। मैंने वर्षों तक इसका अध्ययन किया और पूरी तरह से इस पर विश्वास किया। मेरा विश्वास मजबूत हुआ, लेकिन उन पाठ्यक्रमों को पढ़ाने में, यह और भी मजबूत हुआ क्योंकि मैंने पाया कि शब्दावली अलग थी, अवसर, सेटिंग, श्रोता और कई चीजें अलग थीं।

कल्पना, लेकिन सत्य इतने महत्वपूर्ण रूप से ओवरलैप हुए। मेरा निष्कर्ष यह था कि यद्यपि ये मानव लेखक हैं, जिनकी अपनी शैली और इतिहास और इसी तरह के अन्य तरीके हैं, लिखने और खुद को व्यक्त करने के तरीके, यह वही आत्मा थी जो उनके माध्यम से काम करती थी। मैं कहता हूँ कि जैसा कि मैं यूहन्ना 1:18 के बारे में सोचता हूँ, किसी ने कभी भी परमेश्वर को नहीं देखा है, एकमात्र परमेश्वर जो पिता के पास है, उसने उसे जाना है।

यह इब्रानियों 1:1 से 3 का संदेश है। परमेश्वर ने अपने पुत्र को महान नए नियम का भविष्यवक्ता, भविष्यवक्ताओं का भविष्यवक्ता, सर्वश्रेष्ठ भविष्यवक्ता बनने के लिए भेजा है, और उसके तीन गुना पद का एक भाग भविष्यवक्ता का पद है। यह पुरोहित का पद भी है, और यह इब्रानियों का मुख्य जोर है, लेकिन अध्याय 1 का नहीं। हम पहले ही देख चुके हैं कि क्यों, क्योंकि वह 2, 1 से 4 की पंचलाइन के लिए जा रहा है, है न? पहला चेतावनी वाला अंश कहता है कि चूँकि मसीह पुराने नियम के रहस्योद्घाटन, भविष्यवक्ताओं और स्वर्गदूतों के मध्यस्थों से श्रेष्ठ है, इसलिए उसका संदेश और भी अधिक महत्वपूर्ण है, अब परमेश्वर का वचन नहीं, बल्कि उनके संदेश से भी अधिक महत्वपूर्ण है। सुसमाचार व्यवस्था से भी अधिक महत्वपूर्ण है, यह उनका मुद्दा है, लेकिन जैसे ही वह इस अध्याय को आगे बढ़ाते हैं, वे बीच में पद 3 में कहते हैं, पापों के लिए शुद्धिकरण करने के बाद, पुत्र परमेश्वर के दाहिने हाथ पर बैठ गया।

यह अध्याय 7 से 10 के महान विषय की प्रत्याशा है, कि मसीह पुजारी और बलिदान दोनों है। वह पुजारी का पद धारण करता है। हमने कल देखा कि परमेश्वर को वास्तव में अपने बेटे में तीनों उपहारों को एक साथ लाने के अपने लक्ष्य में कठिनाई हुई।

उनके पास एक जनजातीय समस्या थी क्योंकि पुजारी यहूदा से आते थे, नियमित, मुझे खेद है, राजा यहूदा से आते थे, नियमित पुजारी लेवी से हारून के माध्यम से थे इसलिए हम लेवी या हारून के पुजारी के बारे में बात करते हैं, और आप दो जनजातियों से नहीं आ सकते हैं, और यीशु यहूदा से आए थे, और इसलिए वे शाही वंश के हैं, लेकिन वे लेवी या हारून से नहीं आए थे, आप दो जनजातियों से नहीं आ सकते हैं, इसलिए भगवान ने जो किया वह एक और संपूर्ण पुजारी वर्ग की स्थापना थी, एक छोटा सा, लेकिन बहुत महत्वपूर्ण। इसमें केवल दो सदस्य हैं, मेल और यीशु। मेल मेल्कीसेदेक होगा, जो उत्पत्ति 14 का अजीब व्यक्ति है।

वह अभिलेख में दिखाई देता है, अब्राहम को आशीर्वाद देता है, परमप्रधान परमेश्वर का पुजारी है, और साथ ही राजा भी है, और अब्राहम से दशमांश स्वीकार करता है। इब्रानियों 7 कहता है, छोटा दशमांश बड़े को देता है, और मलिकिसिदक मसीह का एक प्रकार है जो मलिकिसिदक के पुजारी क्रम में वंशावली के आधार पर नहीं है, क्योंकि यीशु यहूदा से आता है, मरियम के माध्यम से रक्त रेखा, आधिकारिक वंश, आधिकारिक उपाधि, अगर आप चाहें तो सौतेले पिता जोसेफ के माध्यम से, लेकिन शपथ के माध्यम से उसे पुजारी बनाया गया था। इब्रानियों 7 भी इस पर एक बड़ा मुद्दा बनाता है।

यह शपथ के बिना नहीं है कि इसे पुजारी बनाया गया था, क्योंकि भजन 110 श्लोक 4 कहता है, आने वाले के बारे में बोलते हुए, आप हारून या लेवी के क्रम में हमेशा के लिए एक पुजारी हैं, जो उसी क्रम की बात नहीं करते हैं, बल्कि मेल्कीसेदेक के हैं। यीशु मेल्कीसेदेकियन पुजारी है। मैंने

अपने जीवन में पहले कभी यह शब्द नहीं कहा है, और इस तरह, वह पापों के लिए शुद्धिकरण करता है। यह छोटा सा प्रारंभिक खंड अध्याय 10 की सच्चाई का अनुमान लगाता है, जब यह यहाँ कहता है, पापों के लिए शुद्धिकरण करने के बाद, वह उच्च पर महामहिम के दाहिने हाथ पर बैठ गया, जो एक सामान्य तरीका है, दिव्य नाम से बचने और भगवान के नाम की महिमा करने का एक चक्कर।

वह ऊपर की महिमा है। शुद्धिकरण करने के बाद बेटा परमेश्वर के दाहिने हाथ पर बैठ गया। यह क्या दर्शाता है? पहला, पिछले सभी बलिदानों के विपरीत, उसका काम पूरा हो गया है।

यह समाप्त हो गया है। पापों के लिए अब कोई बलिदान नहीं है। नंबर दो, जहाँ वह बैठा था, उसके कारण पिता उसके बलिदान को स्वीकार करता है।

उसका काम परिपूर्ण है। अब कोई और पुण्य अर्जित करने की आवश्यकता नहीं है, अब कोई और बलिदान देने की आवश्यकता नहीं है, अब कोई और दंड देने की आवश्यकता नहीं है, अब कोई और ऐसा काम नहीं है जो पापों की सफाई और शुद्धिकरण को पूरा करता हो। यह परम है, क्योंकि पुत्र, पापों के लिए शुद्धिकरण करने के बाद, परमेश्वर के दाहिने हाथ पर बैठ गया।

परमेश्वर को इससे अधिक की आवश्यकता नहीं है। मैं श्रद्धापूर्वक कहता हूँ कि परमेश्वर को इससे अधिक की आवश्यकता नहीं है, और चूँकि पुत्र का कार्य पूर्ण और सिद्ध है, इसलिए, जो कोई भी उस पर विश्वास करेगा, उसे बचाने के लिए यह प्रभावी या प्रभावकारी है। इसलिए, यदि किसी कारण से आप यह वीडियो टेप सुन रहे हैं, और आप यीशु को नहीं जानते हैं, और शायद आपको लगता है कि आप इतने बुरे हैं कि वह आपको स्वीकार नहीं करेगा, तो आप गलत हैं।

ओह, तुम सही हो। तुम भी हम जैसे ही बुरे हो। हम आदम में बुरे हैं, और हम अपने वास्तविक पापों के कारण बुरे हैं, लेकिन यीशु धर्मी लोगों को बचाने के लिए नहीं आया था। वह खोए हुए लोगों को खोजने और बचाने के लिए आया था, और यदि आप अपने पापों से दूर हो जाते हैं और उस पर विश्वास करते हैं, तो इसमें आप भी शामिल हैं।

हल्लिलूयाह। मसीह का अद्वितीय बलिदान पूर्ण, परिपूर्ण और उन सभी को बचाने में प्रभावी है जो उस पर विश्वास करते हैं। इब्रानियों 1 इस प्रकार परमेश्वर के पुत्र के भविष्यवक्ता और पुरोहिती पदों के बारे में बात करता है, लेकिन सर्वोच्च रूप से नहीं।

सर्वोच्च रूप से, इब्रानियों 1 उसके राजत्व के बारे में है। मैंने पहले ही विचार प्रवाह में आयत 1 और 2 में कहा है, और 3 सीधे 2, 1 से 4 में जाता है, और उस अनुप्रयोग को बनाता है। फिर भी, परमेश्वर के दाहिने हाथ पर बैठना उसके याजकत्व से संबंधित है, और इससे भी अधिक उसके राजा होने से संबंधित है।

वह ऊँचे स्थान पर महिमा के दाहिने हाथ पर बैठ गया, और स्वर्गदूतों से भी अधिक श्रेष्ठ बन गया, जो पुराने नियम के रहस्योद्घाटन के मध्यस्थ हैं, क्योंकि उसे जो नाम विरासत में मिला है वह उनसे अधिक श्रेष्ठ है। वह कौन सा नाम है? यीशु? नहीं, यह उसका मानवीय नाम है, जो उसके

जन्म से पहले यूसुफ और मरियम दोनों को दिया गया था, जिसका अर्थ है उद्धारकर्ता या प्रभु बचाता है। नहीं, प्रभु? नहीं, उस नाम का प्रचार उसके पुनरुत्थान में किया गया था।

नहीं, यह नाम या उपाधि पुत्र है, क्योंकि परमेश्वर के स्वर्गदूतों में से कौन कभी कहता है, तू मेरा पुत्र है, आज मैंने तुझे जन्म दिया है। या फिर, मैं उसका पिता होऊंगा, और वह मेरा पुत्र होगा। और फिर, जब वह पहलौठे को दुनिया में लाता है, तो मैं सोचता था कि यह बेथलेहम की बात है।

यह संदर्भ में नहीं है। यह अध्याय यीशु के उत्थान और सत्र के बारे में है, उसका परमेश्वर के दाहिने हाथ पर बैठना, जैसा कि उसने अभी कहा। जब वह स्वर्गीय दुनिया में जाता है और परमेश्वर के दाहिने हाथ पर बैठता है, तो प्रभु, पिता, कहता है, परमेश्वर के सभी स्वर्गदूत उसकी आराधना करें।

ओह, ईश्वर का पुत्र कोई देवदूत नहीं है। मेरा दिल पंथों के लिए दुखी है। और सालों से, मैंने प्रार्थना की है कि ईश्वर मेरे किसी छात्र को उनके लिए सेवा करने के लिए खड़ा करे।

उन्होंने आखिरकार ऐसा किया। और केटी ईसाई विज्ञान में पृष्ठभूमि वाली एक सेमिनेरियन थी जो यीशु को जानती थी। उसने एक मंत्रालय शुरू किया है जो अब, मुझे लगता है, दुनिया भर में फैल चुका है।

यह बहुत सुंदर है। भगवान विनम्र चीजों का उपयोग करता है। वह एक अच्छी छात्रा थी, लेकिन एक महान छात्रा नहीं थी।

वह प्रभु से प्रेम करती थी। वह पूरी तरह से विनम्र है। यह सब ईश्वर का है।

और ईश्वर उसका उपयोग ईसाई वैज्ञानिकों को मसीह के पास लाने के लिए कर रहा है। और मैं इससे खुश हूँ। मैं पंथों के बारे में सोचता हूँ क्योंकि वे मसीह के ईश्वरत्व को नकारते हैं, जो उन्हें अनुग्रह से दूर कर देता है।

मसीह ने स्वर्गदूतों की रचना की। कुलुस्सियों 1, दृश्य और अदृश्य चीजें। फिर पौलुस अदृश्य चीजों के बारे में बात करता है।

और वह स्वर्गदूतों के बीच भेदभाव के बारे में बात करता है, चाहे उनका मतलब कुछ भी हो, चाहे वे रैंक हों या कुछ और। पुत्र ने स्वर्गदूतों को बनाया। और यहाँ, जब पुत्र पृथ्वी पर अपने उद्धार कार्य के बाद स्वर्ग लौटता है और बैठता है, तो पिता कहता है, परमेश्वर के सभी स्वर्गदूत उसकी आराधना करें।

परमेश्वर के स्वर्गदूत केवल परमेश्वर की आराधना करते हैं। पुत्र देहधारी है। इसलिए, इस अंश में यह कहा जा सकता है कि उसका एक परमेश्वर है।

देहधारी के रूप में, वह पिता से प्रार्थना करता है। और श्लोक 9, हे परमेश्वर, तेरे परमेश्वर ने तेरे साथियों से बढ़कर तुझे आनन्द के तेल से अभिषेक किया है। बाइबल और इस अध्याय के प्रवाह

के संदर्भ में, पुत्र का अर्थ 2 शमूएल 7 जैसे स्थानों पर है, जहाँ पुत्र राजा, इस्राएल के राजा, सुलैमान और पूरे दाऊद वंश की बात करता है।

यहाँ, परमेश्वर के पुत्र के साथी सांसारिक राजा हैं। और परमेश्वर के देहधारी पुत्र का एक परमेश्वर स्वर्ग में है, पिता। लेकिन उसी तरह, पिता पुत्र को इस तरह से संबोधित कर सकता है।

पुत्र के बारे में, वह कहता है, श्लोक 8, हे परमेश्वर, तेरा सिंहासन सदा सर्वदा बना रहेगा, भजन संहिता का हवाला देते हुए। तो, देहधारी पुत्र परमेश्वर है और उसका एक परमेश्वर है। वह एक ही व्यक्ति में परमेश्वर और मनुष्य दोनों है।

इसलिए, इब्रानियों 1 पूरी तरह से परमेश्वर के पुत्र के शाही पद की गवाही देता है। उसका सिंहासन हमेशा-हमेशा के लिए है, पद 8। सच्चाई का राजदंड उसके राज्य का राजदंड है। वह सृष्टि में परमेश्वर का प्रतिनिधि था, पद 10।

सृष्टि के विपरीत, जो समय बीतने के साथ नवीनीकृत होती है, वह अपरिवर्तनीय है। वह अपरिवर्तनीय है, श्लोक 10 से 12। आप वही हैं और आपके वर्षों का कोई अंत नहीं होगा।

वास्तव में, मुझे बाइबल में कोई भी ऐसा पुराना अध्याय नहीं पता जो इब्रानियों 1 की तरह मसीह के ईश्वरत्व के बारे में पूरी तरह से सिखाता हो। उनके ईश्वरत्व के पाँच क्लासिक प्रमाण हैं, और उनके ईश्वरत्व के बारे में जॉन 1, कुलुस्सियों 1 में बहुत स्पष्ट रूप से सिखाया गया है। फिलिप्पियों 2, दो महान राज्यों का मार्ग। लेकिन उनमें से किसी में भी यीशु के ईश्वरत्व के सभी पाँच प्रमाण नहीं हैं जिस तरह से यह एक में है।

यीशु परमेश्वर का सार है। हमने इसे पद 3 में उसी भाषा में देखा, परमेश्वर की महिमा की चमक, उसके स्वभाव की सटीक छाप। पद 10 में उसे ईश्वरीय उपाधियाँ दी गई हैं, प्रभु।

अरे हाँ, प्रभु, नए नियम में कुरियोस हमेशा ईश्वर की बात नहीं करता, लेकिन इस संदर्भ में, भजन का हवाला देते हुए, यह करता है। हे प्रभु, आपने शुरुआत में पृथ्वी की नींव रखी, और स्वर्ग आपके हाथों का काम है। वह सृष्टिकर्ता है, प्रभु।

पिता पुत्र को प्रभु कहता है। और इसी तरह, जैसा कि हमने श्लोक 8 में देखा, पिता पुत्र को परमेश्वर कहता है। तो, दिव्य सार, दिव्य उपाधियाँ, दिव्य कार्य।

पुत्र वह कार्य करता है जो केवल परमेश्वर ही करता है। वह पद 10 में सृष्टि करता है। वह पद 2 में सृष्टि करता है। वह पद 3 में विधान का कार्य करता है। वह अपनी शक्ति के वचन से ब्रह्मांड को बनाए रखता है, कुलुस्सियों 1 के समान। उसके द्वारा सभी चीजें एक साथ बनी रहती हैं या एक साथ टिकी रहती हैं।

केवल परमेश्वर ही सृष्टि करता है और विधान का कार्य करता है तथा उद्धार का कार्य करता है, जिसे पुत्र करता है। वह शुद्धिकरण करता है, पद 3। और केवल परमेश्वर ही संपूर्ण कार्य को पूर्ण

करता है। पुत्र ही पूर्ण करने वाला है, क्योंकि पद 2 में तुरंत ही कहा गया है कि परमेश्वर ने उसे सभी चीज़ों का वारिस नियुक्त किया है।

यह कुलुस्सियों 1 की तरह है, जहाँ लिखा है, सारी चीज़ें उसके द्वारा और उसके लिए बनाई गई थीं। यहाँ संक्षिप्त रूप का उपयोग किया गया है। वह वारिस है।

उसने इसे बनाया। वह इसे बनाए रखता है। वह इसे मुक्त करता है।

अंत में सब कुछ उसके पास आएगा। बेटा परमेश्वर के काम करता है। परमेश्वर के ईश्वरत्व का एक और सबूत उसकी आराधना है।

केवल ईश्वर ही पूजा प्राप्त करता है। यह बिल्कुल सही नहीं कहा गया। दुष्ट व्यक्ति भी पूजा प्राप्त करना चाहेगा।

केवल परमेश्वर ही सही और न्यायपूर्ण तरीके से आराधना प्राप्त करता है। इसलिए, प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में दो बार, यूहन्ना को प्राप्त दर्शनों की महानता से अभिभूत होना पड़ता है। वह स्वर्गदूतों के पैरों पर गिरता है जो कहते हैं, नहीं, उठो।

हम दोनों ही परमेश्वर की आराधना करते हैं। और प्रेरितों के काम 14 में पौलुस और बरनबास को परमेश्वर घोषित किया गया है। वे लुस्त्रा के लोगों के साथ सामान्य यूनानी भाषा बोलते थे, लेकिन जब लोग आराधना करते थे, तो वे अपनी मूल भाषा का उपयोग करते थे, और लोग उनकी अपनी भाषा में बोलने लगे।

और पॉल और बरनबास शब्दों को नहीं समझ पाए, लेकिन उन्होंने शरीर की भाषा को समझ लिया क्योंकि ज़ीउस के पुजारी पूजा की माला लेकर बाहर आए, और वे पॉल और बरनबास को बलि चढ़ाने वाले थे, पॉल को वक्ता देवता और बरनबास को, जो बड़े थे, ज़ीउस, देवताओं का राजा कह रहे थे। और उन्होंने यहूदी होने के नाते अपने कपड़े फाड़ दिए, यहूदी घृणा के संकेत में। तुम क्या कर रहे हो? हमारी पूजा मत करो।

आप देखिए जब पॉल ने तरसुस सेमिनरी में क्लास और मिशन लिया, तो उसके पास कुछ अच्छे कोर्स थे, लेकिन उसके पास कभी ऐसा कोर्स नहीं था कि अगर आपको पूजा सेवा में आमंत्रित किया जाता है और आप देवता हैं तो आपको क्या करना चाहिए। आप जो करते हैं वह यह है कि आप अपने कपड़े फाड़ देते हैं। यही आप करते हैं।

अच्छे लोगों और अच्छे स्वर्गदूतों को पूजा नहीं मिलती। प्रभु यीशु मसीह को पूजा मिलती है क्योंकि पिता मसीह के स्वर्गारोहण और सत्र के दौरान स्वर्गदूतों को निर्देश देते हैं, परमेश्वर के दाहिने हाथ पर बैठे हुए। परमेश्वर के सभी स्वर्गदूत उसकी पूजा करें।

पद छः। यीशु परमेश्वर का स्वभाव है। उसके पास दिव्य उपाधियाँ हैं।

वह ईश्वर के काम करता है। उसे ईश्वर की पूजा मिलती है। हाँ, मैं उसके ईश्वरत्व के पाँचवें प्रमाण को याद करने की कोशिश कर रहा हूँ।

क्षमा करें, मैंने इसे खो दिया है। उसे भी यह मिल गया है।

खैर, मुझे सोचने दो। यह इस अंश में है। मुझे यह पता है।

गुण। उसमें वे गुण हैं जो केवल परमेश्वर में हैं। यह अध्याय वह है जिसे मैं पहले ही साझा कर चुका हूँ।

क्षणभंगुर सृष्टि के विपरीत, श्लोक 10 से 12, वह अपरिवर्तनीय और अपरिवर्तनशील है। लेकिन तुम, स्वर्ग और पृथ्वी के विपरीत, जिन्हें तुमने बनाया, श्लोक 12, अंत में, तुम वही हो, और तुम्हारे वर्षों का कोई अंत नहीं होगा। इब्रानियों 1 मसीह के तीन पदों के लिए शास्त्रीय पाठ है।

अगर हम समझें तो वह नए नियम का महान भविष्यवक्ता है और सभी भविष्यवक्ताओं का अंत है। वह नए नियम के भविष्यवक्ताओं पर अपनी आत्मा उंडेलता है ताकि वे उसकी सेवकाई जारी रख सकें। इस बार, वह इसे स्वर्ग से जारी रखता है।

वह स्वर्गीय भविष्यवक्ता है जो पृथ्वी पर नए नियम के भविष्यवक्ताओं पर अपनी आत्मा उंडेलता है। वह महान पुजारी है जिसने पुजारी और भेंट के रूप में अपने अनूठे कार्य में एक बार और हमेशा के लिए पापों के लिए शुद्धिकरण किया। सबसे बढ़कर, इस अध्याय में, वह मसीहाई राजा है जो परमेश्वर के दाहिने हाथ पर तब तक बैठता है जब तक कि परमेश्वर अपने शत्रुओं को अपने पैरों के लिए एक पायदान नहीं बना देता।

पद 13, बेशक, भजन 110 और पद 1 का उद्धरण है। यह मसीह के कार्य-बचाव कार्य के अध्ययन के लिए हमारे परिचय का समापन करता है। हमने बाइबिल की कहानी, सृष्टि, पतन, छुटकारे, इस्राएल और चर्च और पूर्णता को शामिल करते हुए देखा है। हमने सृष्टि से पहले नियोजित उद्धार के एक परिदृश्य में उद्धार के बारे में सोचा है, जिसे मसीह ने पूरा किया, आत्मा द्वारा लागू किया, और त्रिएक द्वारा पूर्ण किया।

हमने धर्मशास्त्रीय पद्धति के बारे में थोड़ा सोचा, कैसे अच्छे धर्मशास्त्र को आधार बनाया जाना चाहिए और कभी भी बाइबल के पाठ की व्याख्या से दूर नहीं जाना चाहिए, कैसे यह बाइबल धर्मशास्त्र के लिए प्राथमिक कच्चा माल है, बाइबल की शिक्षाओं को शास्त्रों के माध्यम से खोजना, विशेष रूप से पुराने नियम से नए नियम में। हम ऐतिहासिक धर्मशास्त्र को ध्यान में रखते हैं ताकि हम अतीत की गलतियों को न दोहराएँ और अतीत की सफलताओं से न सीखें, सभी व्यवस्थित धर्मशास्त्र की ओर, बाइबल की शिक्षाओं को व्यवस्थित और एक साथ रखते हुए ताकि हम उन्हें समझ सकें और दूसरों को सिखा सकें। मैंने उन प्रमुख पुस्तकों के बारे में बात की जिन्होंने मेरी मदद की है और यहाँ तक कि मेरी अपनी कुछ पुस्तकें भी।

मुझे कहना चाहिए कि मैंने यह बहुत विनम्रता से किया। मैं यहाँ सिर्फ मज़ाक कर रहा हूँ, दर्शकों और श्रोताओं। बाइबल की आवाज़ें, बहुत सारे बेहतरीन अंश, लेकिन कोई भी यशायाह 53 और रोमियों 3:20, 21 से 26 से बेहतर नहीं है।

ये वाकई अद्भुत अंश हैं। हमने कुछ समय, कुछ घंटों तक प्रायश्चित के सिद्धांत के इतिहास का अध्ययन किया, ताकि हमें परिप्रेक्ष्य मिले, मसीह को समझने में वास्तविक प्रगति दिखाई दे और उसने हमारे लिए क्या किया, और साथ ही, गलतियाँ, कभी-कभी गंभीर गलतियाँ जिनसे हम बचना चाहते हैं। फिर हमने क्राइस्टोलॉजी के बारे में सोचा, और हमने मसीह के तीन पदों - भविष्यवक्ता, पुजारी और राजा - को देखकर इसे समाप्त किया।

अब, आने वाले समय में, अभी से शुरू करते हुए, हम इस बारे में सोचना चाहते हैं कि यीशु ने हमें बचाने के लिए क्या किया, यानी उसके उद्धार के कार्य या घटनाएँ। मैं उनमें से नौ की गिनती करता हूँ। मुख्य, और हम उस स्लाइड को ऊपर रख सकते हैं, यह अच्छा होगा।

मुख्य बात उसकी मृत्यु और पुनरुत्थान है। मैं जो कुछ भी कहता हूँ, उससे यह तथ्य खत्म नहीं होता कि यीशु का प्राथमिक उद्धार कार्य उसकी मृत्यु और पुनरुत्थान है, जिसे एक इकाई के रूप में देखा जाता है। अलग-अलग देखा जाए, तो उसकी मृत्यु और पुनरुत्थान, प्रभु यीशु मसीह की मुख्य उद्धार घटनाएँ हैं।

हालाँकि, ये मुख्य बचाव घटनाएँ अकेली नहीं हैं। वे यीशु की कहानी के संदर्भ में हैं, और इसलिए उनका अवतार और पाप रहित जीवन उनकी मृत्यु और पुनरुत्थान की दो आवश्यक पूर्वधारणाएँ हैं। उनके अवतार और पाप रहित जीवन के बिना, प्रभु यीशु की मृत्यु और पुनरुत्थान नहीं होगा।

यह सही नहीं है। हम मसीह की उद्धारक घटनाएँ चाहते हैं। और फिर उसकी मृत्यु और पुनरुत्थान के बाद पाँच आवश्यक परिणाम या परिणाम हैं, और वे हैं उसका स्वर्गारोहण, उसका परमेश्वर के दाहिने हाथ पर बैठना, उसका पित्तकुस्त पर आत्मा को भेजना, उसकी मध्यस्थता, और उसका उद्धारक कार्य उसकी वापसी और उसके दूसरे आगमन में परिणत होता है।

जॉन स्टॉट ने अपनी महान पुस्तक, द क्रॉस ऑफ़ क्राइस्ट में हमें याद दिलाया है कि हर धर्म और विचारधारा का अपना दृश्य प्रतीक होता है। वह हमें बताते हैं कि बौद्ध धर्म में कमल का फूल, आधुनिक यहूदी धर्म में डेविड का सितारा और इस्लाम में अर्धचंद्राकार चाँद है। ईसाई धर्म में, अजीब तरह से, अपने प्रतीक के लिए एक क्रॉस है।

शुरुआत से ऐसा नहीं था। शुरू में, एक ईसाई प्रतीक मोर था, जो अमरता का प्रतीक था, कबूतर, तीरंदाज की जीत की माला, और विशेष रूप से मछली, जिसे ग्रीक में इचथस कहा जाता है, और अक्षरों को कालक्रम में बदल दिया जाता है, यीशु मसीह, ईश्वर का पुत्र, उद्धारकर्ता। मैं आपको ग्रीक भाषा बोलकर बोर नहीं करूँगा।

स्टॉट ने कहा, आप जानते हैं, वास्तव में संभावनाओं की एक विस्तृत श्रृंखला थी। यह चरनी हो सकती थी, जिस पर यीशु को जन्म के समय रखा गया था। बढ़ई की बेंच के बारे में क्या ख्याल है, जहाँ वह काम करता था? वह नाव जिस पर बैठकर उसने गलील में शिक्षा दी थी? वह एप्रन, जिसे

पहनकर उसने अपने शिष्यों के पैर धोए थे? वह पत्थर जिसे कब्र के मुँह से लुढ़काया गया था? मुझे वास्तव में वह खुद पसंद है।

मैं क्रॉस को त्याग नहीं रहा हूँ, लेकिन मेरा विकल्प पत्थर, क्रॉस और पत्थर एक साथ होगा, क्योंकि मेरी मृत्यु पुनरुत्थान सौदा है। वह सिंहासन पिता के साथ साझा करता है? कबूतर पेंटेकोस्ट के लिए आत्मा को भेजने का प्रतीक है। बेशक, जो प्रतीक बन गया वह मसीह का क्रॉस है।

सूली पर चढ़ाना, उसकी भयावहता। पहली सदी में सभ्य समाज में इस पर चर्चा नहीं की जाती थी। रोमन नागरिक इस यातना से मुक्त थे।

कभी-कभी, लोग कई दिनों तक क्रूस पर लटके रहते थे, और यह उनके अपराधों के लिए जानबूझ कर दी गई यातना की सज़ा थी। यह आश्चर्यजनक है, पॉल गलातियों 6:14 में कहता है, हमारे प्रभु यीशु मसीह के क्रूस को छोड़कर मैं किसी और बात पर घमंड नहीं कर सकता। निश्चित रूप से, यह अजीब है।

गिलोटिन में शेखी बघारना? बिजली की कुर्सी में शेखी बघारना? मैं जल्लाद के फंदे में शेखी बघारता हूँ? मुझे ऐसा नहीं लगता। ये सब बहुत अजीब है, और इसलिए पहली बार में यातना के इस साधन में शेखी बघारने के बारे में सोचना भी अजीब है, लेकिन बेशक, जब हम समझते हैं कि पॉल क्यों शेखी बघारता है और उस क्रूस में क्या शामिल था, यानी परमेश्वर के पुत्र की प्रायश्चित मृत्यु, तो हम क्रूस में भी शेखी बघारते हैं। भले ही यह अजीब लगे, लेकिन वास्तव में, मेरी प्राथमिकता यह होगी कि हम क्रूस में पत्थर जोड़ दें।

यीशु द्वारा मृतकों के पुनरुत्थान को दर्शाने के लिए, लेकिन मुझे नहीं लगता कि मैं इस बिंदु पर चीजों को बदलने जा रहा हूँ। मसीह का उद्धार कार्य गहरा, विशाल और शानदार है। यह उस व्यक्ति के कारण गहरा है जिसने इसे हासिल किया।

अवतार का रहस्य, ईश्वर का चमत्कार, ईश्वर का एक अकल्पनीय चमत्कार। ओह, 20वीं सदी के प्रसिद्ध शिक्षक चार्ल्स हॉज की भाषा का उपयोग करें तो, हम अवतार को समझते हैं। क्या आप अवतार को नहीं समझेंगे? किसी चीज़ को पूरी तरह से समझने का पुराना अर्थ उसकी गहराई में उतरना है।

यह कल्पना करना मूर्खता नहीं है कि परमेश्वर मनुष्य बन गया है, लेकिन हम पूरी तरह से समझ नहीं सकते कि इसका क्या अर्थ है। इसका परिणाम यह है कि यह मनुष्य, नासरत का यीशु, एक ही व्यक्ति में परमेश्वर और मनुष्य है। उस अवतार का रहस्य मसीह के क्रूस को अपना रहस्य प्रदान करता है।

क्रूस पर तीन घंटे की पीड़ा ने अरबों मनुष्यों के उद्धार को जन्म दिया, जो उसके पुनरुत्थान से कभी अलग नहीं हुआ; मैं इसे समझता हूँ और इसे अन्य सात घटनाओं के साथ जोड़ता हूँ, ठीक है? मैं समझता हूँ, लेकिन यह अविश्वसनीय है। यह गहन है। धर्मग्रंथ में दी गई शिक्षा बहुत बड़ी है।

मैंने मसीह के कार्य पर 500 पन्नों की पुस्तक लिखी है, पुत्र द्वारा पूर्ण किया गया उद्धार, मसीह का कार्य, और इसमें शायद मुख्य अंश शामिल हैं, लेकिन इसमें और भी बहुत कुछ है। इसमें और भी बहुत कुछ है, और न केवल मसीह का उद्धार कार्य गहरा और विशाल है, बल्कि यह शानदार भी है। यह शानदार है।

प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में पुत्र, उद्धारक की मुख्य छवि, मेम्ना, उसके लोगों द्वारा, नई पृथ्वी पर उसके पुनरुत्थित लोगों द्वारा अनंत काल तक पूजा की जाएगी। अब, लोग उसकी सेवा करेंगे, और वे केवल एक गायक मंडली बनने से कहीं अधिक कार्य करेंगे।

ओह, लेकिन वे एक गायक मंडली होने का आनंद लेंगे। वहाँ मुक्ति संस्कृति होगी। जैसा कि रहस्योद्घाटन 21 के अंत में कहा गया है, पृथ्वी के राजा अपनी महिमा को पवित्र शहर, नए यरूशलेम में लाते हैं। यही है, मेरी समझ है, और यह हरमन बाविक के बाद से इंजील सुधार धर्मशास्त्रियों की आम सहमति है, कि नई पृथ्वी पर मुक्ति संस्कृति होगी, और कोई भी महान उद्यम मौजूद होगा, और आप खोज कर सकते हैं।

आप भाषाएँ सीखना चाहते हैं, आप ऐसा लाखों सालों तक कर सकते हैं, और आप अपनी बड़ईगीरी को वाकई में निपुण बनाना चाहते हैं, या शायद कुछ फुटबॉल खेलना चाहते हैं, या आप सभी समय के महानतम शिक्षकों के साथ गाना चाहते हैं, और वाद्ययंत्र सीखना चाहते हैं, और यह सब चलता रहता है, और मैं इन चीजों को पूरी तरह से नहीं समझ सकता। हम नहीं समझ सकते। हम आंशिक रूप से समझते हैं।

वैसे भी, मसीह का उद्धार कार्य गहरा, विशाल और शानदार है। दुख की बात है कि हमें उनके उद्धार कार्य का अध्ययन करने की आवश्यकता है क्योंकि इंजील ईसाइयों के बीच यीशु के उद्धार कार्य के महत्व पर पहले से कहीं अधिक असहमति है। 2006 के खंड, द नेचर ऑफ द एटोनमेंट में चार दृष्टिकोण शामिल थे।

ग्रेगरी ए. बॉयड ने तर्क दिया कि क्राइस्टस विक्टर थीम प्रायश्चित का मुख्य विषय और बाइबिल की समझ है। कोई भी अपवाद नहीं। बाकी सब कुछ उसके अधीन होना चाहिए।

टॉम श्राइनर ने कहा, नहीं, यह गलत है, और वैसे, इस खंड, द नेचर ऑफ द एटोनमेंट में उन्होंने एक-दूसरे के साथ बातचीत की। टॉम श्राइनर कहते हैं, नहीं, यह दंडात्मक प्रतिस्थापन है जो उस स्थान पर है। कई विषय हैं, लेकिन दंडात्मक प्रतिस्थापन समग्र रूप से सबसे महत्वपूर्ण है।

ब्रूस रीचेनबैक उपचार के दृष्टिकोण का बचाव करते हैं। जब मैंने प्रायश्चित के छह प्रमुख विषयों का उल्लेख करते हुए, पूर्वावलोकन में भी, बात की, तो मैंने कहा कि और भी बहुत कुछ है, और हाँ, एक उपचारात्मक विषय है, अगर आप चाहें, लेकिन यह एक प्रमुख विषय नहीं है, और इसे निश्चित रूप से उस तरह से प्रमुख विषय के रूप में प्रस्तुत नहीं किया जाना चाहिए। जोएल ग्रीन, वेस्लेयन परंपरा में एक उत्कृष्ट न्यू टेस्टामेंट विद्वान, एक प्रतिभाशाली व्यक्ति, दंडात्मक प्रतिस्थापन से नफरत करता है।

मुझे खेद है, वह ऐसा करता है, और उसका दृष्टिकोण बहुरूपदर्शक दृष्टिकोण है। अर्थात्, प्रायश्चित्त का कोई एक मॉडल या रूपक पर्याप्त नहीं है। मैं इससे सहमत हूँ, और फिर भी मैं अंततः दंडात्मक प्रतिस्थापन को गौरव या प्रशंसा दूंगा, और मुझे दुख है कि जोएल ग्रीन जैसा बुद्धिमान और ईश्वरीय भाई दंडात्मक प्रतिस्थापन का विरोध करता है।

मैं समझता हूँ कि इसका दुरुपयोग किया गया है। मैं उस हिस्से को समझता हूँ, और मैं दुरुपयोग का भी विरोध करता हूँ, पिता को बेटे के खिलाफ खड़ा करना और इस तरह की बातें, लेकिन यह दोनों नियमों में बाइबल की शिक्षा है, और यह दुखद है। मसीह के कार्य पर भ्रम का एक और सबूत ईसाई धर्म के दो प्रसिद्ध ब्रिटिश लोकप्रिय लोगों, ब्रदर्स इन क्राइस्ट, विशेष रूप से स्टीफन चाल्के और उनके सहयोगी एलन मान द्वारा 2003 में यीशु के खोए हुए संदेश हैं।

यीशु के खोए हुए संदेश ने ग्रेट ब्रिटेन में एक आग का गोला बना दिया क्योंकि उन्होंने दंडात्मक प्रतिस्थापन को अस्वीकार कर दिया था। वर्षों से, उदार धर्मशास्त्रियों के बीच यह प्रचलित था। इवेंजेलिकल ने भी ऐसा ही करना शुरू कर दिया, और लोगों को इसके बारे में पता भी नहीं था या परवाह भी नहीं थी।

इस पुस्तक ने इसे उनके रडार स्क्रीन पर ला दिया। धमाका! लोगों ने आवाज़ उठाई, और विद्वानों ने सुना, और 2005 में, यह कोई संयोग नहीं है कि उस सम्मेलन की तारीख थी, पुस्तक के प्रकाशित होने के दो साल बाद, प्रायश्चित्त के धर्मशास्त्र पर लंदन संगोष्ठी बहुत अलग दृष्टिकोण वाले इंजीलवादियों के साथ आयोजित की गई थी, और अंततः 2008 में द एटोनमेंट डिबेट नामक एक पुस्तक सामने आई। यह एक अच्छी किताब है।

यह एक अच्छी किताब है। यह निष्पक्ष है। यह निष्पक्ष है।

हमें मसीह के उद्धार कार्य का अध्ययन करने की आवश्यकता है क्योंकि इस महत्वपूर्ण मामले पर इंजीलवादियों के बीच आम सहमति नहीं है। हमें इसका अध्ययन करने की आवश्यकता का दूसरा कारण प्रभु यीशु मसीह के पुनरुत्थान की उपेक्षा है। अब, इंजीलवादियों ने इसे पूरी तरह से नजरअंदाज नहीं किया है।

हमने दो कारणों से इसकी पुष्टि की है। पहला, इंजीलवादियों ने, कट्टरपंथी आधुनिकतावादी बहसों के बाद से, पुनरुत्थान की ऐतिहासिकता पर सही ढंग से जोर दिया है। यह विश्वास के मूल सिद्धांतों में से एक था।

पिता ने पुत्र को जीवित किया, इसलिए उदारवादियों के इनकार के विपरीत यीशु के पुनरुत्थान का एक क्षमाप्रार्थी उपयोग है। यह एक अच्छा उपयोग है। यीशु जीवित हैं।

ऐसा इतिहास में हुआ, किसी आध्यात्मिक अ-इतिहास में नहीं। यह धरती पर घटित वास्तविक इतिहास में नहीं है, बल्कि आध्यात्मिक रूप से, यह एक घटना के रूप में हुआ। नहीं, नहीं।

यह समय और स्थान में एक घटना के रूप में घटित हुआ और इसका बहुत बड़ा आध्यात्मिक महत्व है। इसलिए यह प्रयोग सर्वविदित है। इसका दूसरा प्रयोग, और यह एक अच्छा प्रयोग है, प्रभु यीशु मसीह के पुनरुत्थान की पुष्टि करना, जो क्रूस की प्रभावकारिता को प्रदर्शित करता है।

यह अच्छी बात है। यह सच है। लेकिन मैं जो कहना चाहता हूँ वह यह है कि ये दो अच्छे उपयोग हैं, यीशु के पुनरुत्थान की पुष्टि करने के कारण हैं।

क्षमाप्रार्थी प्रयोग और प्रयोग मसीह द्वारा मृत्यु को बचाने की प्रभावकारिता और प्रभावशीलता पर जोर देते हैं। लेकिन नए नियम के धर्मशास्त्र में, विशेष रूप से पॉलिन धर्मशास्त्र में, यीशु का पुनरुत्थान बचाता है। यह अपने आप में एक बचाने वाली घटना है, जिसे कभी भी क्रूस से अलग नहीं किया जा सकता, ठीक वैसे ही जैसे क्रूस को कभी भी खाली कब्र से अलग नहीं किया जाना चाहिए।

लेकिन यह एक बचाने वाली घटना है, और हम इसका पता लगाना चाहते हैं। इसमें बचाने वाला महत्व है। मैं सिर्फ एक आयत उद्धृत करूँगा, 1 कुरिन्थियों 15, आयत 17 में महान पुनरुत्थान अध्याय।

यदि मसीह को नहीं जी उठाया गया है, तो आपका विश्वास व्यर्थ है, और आप अभी भी अपने पापों में हैं। मसीह का पुनरुत्थान परमेश्वर के पुत्र के प्रायश्चित के लिए महत्वपूर्ण है। मैं नौ उद्धारक घटनाओं की गिनती करता हूँ।

यीशु का अवतार और पाप रहित जीवन मुख्य घटनाओं की अनिवार्य पूर्वपेक्षाएँ हैं, जो उनकी मृत्यु और पुनरुत्थान हैं। और फिर, पाँच आवश्यक परिणाम आते हैं। स्वर्गारोहण, सत्र, परमेश्वर के दाहिने हाथ पर बैठना, पित्तकुस्त, मध्यस्थता, दूसरा आगमन।

हम आज, भगवान की इच्छा से, आने वाले घंटों में, इन व्याख्यानों में, उनमें से प्रत्येक का अन्वेषण करना चाहते हैं। और हम ऐसा करेंगे, भगवान की इच्छा से, जैसे ही हम जोर देंगे। मैंने यह एक बार पहले भी कहा था, लेकिन इसे दोहराना ज़रूरी है।

शास्त्र में यह बात स्पष्ट है: हम अपने कामों से नहीं बचाए जाते। क्योंकि अनुग्रह से, तुम विश्वास के द्वारा बचाए जाते हो, इफिसियों 2:8 और 9। यह काम का नतीजा नहीं है जिस पर किसी को घमंड नहीं करना चाहिए। लेकिन हम यीशु के काम या कामों से बचाए जाते हैं।

मसीह के कार्य से हमारा क्या अभिप्राय है? रॉबर्ट लेथम ने अपनी इस शीर्षक वाली अद्भुत पुस्तक, द वर्क ऑफ़ क्राइस्ट में इसका उत्तर दिया है। संक्षेप में, हम उन सभी बातों का उल्लेख कर रहे हैं जो मसीह ने धरती पर आकर हमारे और हमारे उद्धार के लिए की थीं। वह धर्म-सिद्धांतों का हवाला दे रहे हैं।

वह जो कुछ भी अब भी कर रहा है, जबकि वह मृतकों में से जी उठा है और परमेश्वर के दाहिने हाथ पर है, और वह सब कुछ जो वह युग के अंत में महिमा में वापस आने पर करेगा। यह,

वास्तव में, सही है। हम एक ब्रेक के बाद फिर से वापस आएंगे, और हमारे अगले व्याख्यान में, हम प्रभु यीशु मसीह की उद्धारक घटनाओं के बारे में अधिक विस्तार से बताएंगे।

यह डॉ. रॉबर्ट पीटरसन द्वारा मसीह के उद्धार कार्यों पर दी गई शिक्षा है। यह सत्र 9, मसीह के तीन पद, भाग 3, और मसीह की 9 उद्धारकारी घटनाएँ, भाग 1 है।